भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
****

विषय – अक्तूबर 2024 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सारांश।

अक्तूबर 2024 माह के दौरान अंतरिक्ष विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

- एसडीएससी श्रीहरिकोटा में प्रमोचन यान संबंधी गतिविधियां:

    1. पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 मिशन का प्रमोचन अनंतिम रूप से दिसंबर 2024 के प्रथम सप्ताह के लिए निर्धारित। यान संयोजन का कार्य प्रगति पर है।
    2. पीएसएलवी-सी60/स्पेडेक्स मिशन का प्रमोचन अनंतिम रूप से दिसंबर 2024 के तीसरे सप्ताह के लिए निर्धारित। यान के चरण एसडीएससी भेजे गए।
    3. जीएसएलवी-एफ15/एनवीएस-02 मिशन का प्रमोचन अनंतिम रूप से दिसंबर 2024 के लिए निर्धारित। यान संयोजन का कार्य प्रारंभ हुआ।

➢ गगनयान जी1 मिशन (प्रथम मानव रहित मिशन) के लिए मानव अनुकूलित प्रमोचन यान एमके3(एचएलवीएम3) के सी32 क्रायो चरण में द्रव मॉक-अप भरण परीक्षण पूरा हुआ।

- इसरो-नासा निसार संयुक्त संचालन समूह की आभासी बैठक 24 अक्टूबर को हुई और निसार परावर्तक प्रणाली की प्रगति की समीक्षा करने के पश्चात उपग्रह प्रमोचन की तैयारी के लिए आगे की गतिविधियों को स्वीकृति प्रदान की गई।

- अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मेसर्स स्पेस एक्स सुविधा में जीसैट-एन2 संचार उपग्रह के प्रमोचन की तैयारी जारी है। प्रमोचन नवंबर 2024 में निर्धारित है।

- भारतीय राज्यों एवं अन्य देशों के लिए आपदा प्रबंधन में सहायता प्रदान की गई। मंत्रालयों एवं राज्य सरकारों के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय परियोजनाओं के लिए भू-प्रेक्षण से संबंधित सहायता प्रदान की गई।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन-स्पेस की देखरेख में भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित 1000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष की स्थापना को मंजूरी दे दी है।

- सुदूर संवेदन, नौसंचालन उपग्रह प्रणाली और भू-स्थानिक डेटाबेस प्रबंधन पर विभिन्न ऑफलाइन और ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे लगभग 8500 प्रतिभागियों को लाभ हुआ।

- इसरो, इन-स्पेस और एनसिल ने इटली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्षयात्री कांग्रेस (आईएसी) में हिस्सा लिया:

    - पूर्ण सत्र कार्यक्रमों, एजेंसी स्तर की द्विपक्षीय और इन-स्पेस और एनसिल की व्यावसायिक बैठकों में भाग लिया।
    - अंतरिक्ष क्षेत्र के 15 स्टार्ट-अप्स ने आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया और कई बी-टू-बी समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के समक्ष अंतरिक्ष विभाग की कार्यप्रणाली एवं परिणाम प्रस्तुत किए गए।

***